



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

21/12/72

सं० 278] नई दिल्ली, वृहस्पतिवार, दिसम्बर 14, 1972/अग्रहायण 23, 1894

No. 278] NEW DELHI, THURSDAY, DECEMBER 14, 1972/AGRAHAYANA 23, 1894

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

MINISTRY OF FOREIGN TRADE

PUBLIC NOTICE

IMPORT TRADE CONTROL

New Delhi, the 14th December 1972

SUBJECT.—Special facilities for Indians returning from/residing abroad.

No. 182-ITC(PN)/72.—Attention is invited to the provision made in paragraph 122 of Section I of the Import Trade Control Policy (Red Book—Vol. I) for 1972-73 and Ministry of Foreign Trade Public Notice No. 70-ITC(PN)/72 dated the 16th May, 1972 regarding import of machinery and raw materials by industrial units in the small scale sector to be set up by Indian nationals returning from/residing abroad.

2. The matter has been examined and it has been decided that in the case of technological oriented industries like Electronic components, instruments etc. the facilities mentioned in the aforesaid paragraph in Section I of the Import Trade Control Policy (Red Book—Vol. I) for April 1972—March 1973, as well as in the Public Notice mentioned above can also be availed of by limited companies which set up medium scale industries where the investment in plant and machinery in any particular enterprise does not exceed Rs. 25 lakhs. This facility will, however, be subject to the following conditions:—

- (1) the industry to be set up is an export oriented industry and the unit undertakes to export not less than 60 per cent of its production every year;

- (2) investment of each share holder of the company which is returning from abroad/residing abroad is not more than Rs. 5 lakhs;
- (3) the limit for import of equipment without reference to D.G.T.D. would remain at Rs. 5 lakhs only; for the remaining equipment import will be permitted only if cleared by the D.G.T.D.;
- (4) permissible raw materials could also be allowed to be imported;
- (5) the eligible persons set up a limited company under the Indian Companies Act.

3. Subject to such amendments as may be made from time to time, this scheme will remain in force upto the 31st March, 1976

M. M. SEN,
Chief Controller of Imports & Exports.

विदेश व्यापार मंत्रालय

सार्वजनिक सूचना

आयात व्यापार नियंत्रण

नई दिल्ली, 14 दिसम्बर, 1972

विषय.—विदेश से लौटने वाले/विदेश में रहने वाले भारतीयों के लिए विशेष सुविधाएं :

संख्या 182-आई० टी० सी० (पी० एन०)/72.—विदेश से लौटने वाले/विदेश में रहने वाले भारतीय राष्ट्रियों द्वारा स्थापित किये जाने वाले लघु पैमाने के औद्योगिक एककों द्वारा मशीनरी और कच्चे माल के आयात के सम्बन्ध में आयात व्यापार नियंत्रण नीति 1972-73 (रैडबुक वा० 1) के खण्ड 1 के पैरा 122 की व्यवस्था और विदेश व्यापार मंत्रालय की सार्वजनिक सूचना सं० 70-आई० टी० सी० (पी० एन०)/72 दिनांक 16 मई, 1972 की ओर ध्यान दिलाया जाता है।

2. मामले की जांच की गई है और यह निर्णय किया गया है कि आयात व्यापार नियंत्रण नीति 1972-73 (रैडबुक वा० 1) के खण्ड 1 के पूर्वोक्त पैरा में उल्लिखित सुविधाएं और साथ ही उपर्युक्त सार्वजनिक सूचना में उल्लिखित सुविधाएं भी जो प्राबंधित अभिमुख उद्योगों जैसे इलेक्ट्रानिकी संघटकों, औजारों आदि के मामले में उपलब्ध है, वे उन लिमिटेड कम्पनियों द्वारा भी उपलब्ध की जा सकती हैं जिन्होंने ऐसे मध्यम स्तरीय उद्योग स्थापित किए हैं जिनमें किसी एक विशेष उद्यम में संयंत्र और मशीनरी में 25 लाख रु० से अधिक का पूजीनिवेश नहीं है। लेकिन, यह सुविधा निम्नलिखित शर्तों के अधीन होगी :—

- (1) स्थापित किया जाने वाला उद्योग निर्यात अभिमुख उद्योग हो और एकक अपने उत्पादन का प्रतिवर्ष कम से कम 60 प्रतिशत निर्यात करने का वचन ले ;
- (2) कम्पनी के प्रत्येक हिस्सेदार जो विदेश से लौट रहा है/विदेश में रह रहा है, का पूंजी निवेश 15 लाख रु० से अधिक न हो ;
- (3) डी० जी० टी० डी० को बताये बिना उपस्कर के आयात के लिए केवल 5 लाख रु० की सीमा रहेगी ; शेष उपस्कर का आयात केवल डी० जी० टी० डी० द्वारा अनुमोदन करने पर अनुमित किया जायेगा ;

-
- (4) अनुमेय कच्चे माल के आयात के लिए भी अनुमति दी जा सकती है ;
- (5) यदि पात्र व्यक्ति लिमिटेड कम्पनी को भारतीय कम्पनी अधिनियम के अधीन स्थापित करते हैं ।

3. यह योजना, ऐसे संशोधनों के अधीन जो समय समय पर किए जाएं, 31 मार्च, 1976 तक लागू रहेगी ।

एम० एम० सेन,

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात ।

